फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर 358 **अप्रैल 2018**

यह हमीं हैं, तुम्हीं हो, यही लोग हैं

हमें गर्व है कि हम विचरने वाले हैं। असंबद्ध बात करने और सुनने वाले भी हैं।

हैल्लो बॉस ! मुझे थोड़ा डिक्शनरी देखने दो। मोबाइल में चेक कर।

घुम्मकड़ । भ्रमणशील। भटकना। भटकाना। आवारा। बेमेल। असंगत।

तो भाई साहब मिस्टर गर्व आप कुछ ऐसा कह रहे हो क्या कि आपकी सोच और हमारी सोच के अन्दाज में ये सारी ट्विस्ट और स्पिन हैं।

कोई सीधी बात नहीं होती क्या ?

होती है। कुछ मिनटों तक। फिर वे बहती हैं। कभी कोलाहल। कभी निशब्द। कभी स्तब्ध। कभी मदहोश। कभी विलाप। कभी उग्र क्रोध। कभी आनन्द। कभी आलस। कभी उल्लास। कभी खिलखिलाहट। और मजेदार बात यह है कि यह सब एक ही समय होते हैं और बेताल भी होते हैं।

मानो मेरी हँसी तुम्हारे विलाप से टकरा जाये। मानो मेरी अन्धेरे की चाह तुम्हारे डर से उलझ जाये।

ओय हीरोइन ! कविता हो रही है क्या यहाँ। गम्भीर कोशिश हो रही है।

किस चीज की ?

किस चीज की ? मतलब ? अरे यह तो बहुत साफ है कि हम सब एक-दूसरे के साथ किस तरह सोच में रहते हैं और वो शब्दों में कैसे व्यक्त होता है। उदाहरण के लिये हम एक-दूसरे के साथ मैत्री में कैसे रहते हैं और वो शब्दों में अभिव्यक्त कैसे होती है। सोच में हम एक-दूसरे के साथ कैसे रहते हैं इसकी जाँच-परख की कोशिश करते हैं तब एक-दूसरे के साथ सम्बन्धों के भाव का बोध धुँधला पड़ जाता है।

यह तो एक समस्या है। मैं सोचती हूँ कि भावना जहाँ साफ-साफ रेखांकित है जैसे वो गुस्से में है, वो खुशी में बोली तो वहाँ तो सोच-शब्द-सम्बन्ध स्पष्ट दिखने लगते हैं। लेकिन भावना हावी हो जाती है तब सोच को कई बार उभरने नहीं देती। और आप जो कह रहे हो उससे यह कहीं जुड़ी है।

मतलब। मतलब। यह जो, जीवन की जीवन्तता है, उसके जो गुण हैं वो हम कब महसूस करते हैं ? मेरा मतलब कब एकसाथ महसूस करते हैं।

काफी बार फोन में जब कोई कुछ कह रहा होता है तब एक तो अरजेन्ट का आवेश होता है, दूसरा जीवन को बाधित करने वाली तात्कालिक घटना की स्पष्ट समझ होती है, और अचम्भे का भाव होता है।

सब में ऐसे होता होगा ना ?
अरजेन्ट/
तात्कालिक की स्पष्टता/
अचम्भा।

सब के साथ एक और प्रक्रिया होती है। मुझे तो यह लगता है मेरे अनुभव से। जब-तब समूह में अरजेन्ट, तात्कालिक स्पष्टता, अचम्भा की ट्युनिंग हो जाती है। कुछ बहता है। क्षणिक होता है, ज्यादा अवधि का भी होता है। कई चौखटें ढह जाती हैं।

फ्रेश हो जाते हैं। यादें चार्ज हो जाती हैं। अचम्भा सशक्त करता है कि यह हमीं हैं, तुम्हीं हो, यही लोग हैं। कोई चाँद से नहीं लाये गये हैं।

टेन्शन और टार्चर की दोहरी मार इस उज्जवलता पर आक्रमण करती रहती है। मामला बड़ा टफ है।

टफ कहाँ है ? मैं रोज ही लाखों के बीच खड़े हो कर अखबार को जाते हुये देखता हूँ। लहरें दीखती हैं। महसूस होती हैं। शब्दों में छिटक-छिटक कर मिलती हैं।

हाँ , महीने में दो-तीन जगह मिल जाते हैं। अच्छा लगता है। पढते समय मुझे बार-बार यह लगता है कि इन लहरों के लिये आप लोग शब्द ढूँढ रहे हो।

हमें गर्व है कि हम विचरने वाले हैं। सब ही तो विचरने वाले हैं। हमारे बीच, लाखों-करोड़ों के बीच, जो मन्थन हो रहा है वो इन लहरों से प्राण ग्रहण करता है।

तेरा प्राण जब-तब आता-जाता है। पकड़ कर रख। फैला दे।

सतरंगी

✶ **होण्डा मानेसर** फैक्ट्री में प्रोडक्शन का अधिकतर कार्य तीन ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे पाँच-छह हजार वरकर करते हैं। वर्षों से काम कर रहे इन मजदूरों द्वारा डाले दबावों के कारण इनकी तनखा अब 14,500 रुपये है — ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर। इधर होण्डा कम्पनी एन के आई डी नाम की नई ठेकेदार कम्पनी के जरिये बढती सँख्या में मजदूर रख रही है जिन्हें ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर 7500-8000 रुपये दिये जा रहे हैं।

✶ **गौरव इन्टरनेशनल** (208 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में प्रोडक्शन होता है, फिनिशिंग कम्पनी की 225 वाली फैक्ट्री में। महिला वरकरों की सुबह 8 से साँय 7 बजे तक और पुरुष मजदूरों की सुबह 9 से रात 8, रात 10 बजे तक ड्युटी। करीब 600 वरकर हैं और सब कम्पनी ने स्वयं रखे हैं। पहली मंजिल पर सिलाई की 4 लाइनों में एक लाइन पर 40 लेडीज टेलर काम करती हैं। इन्चार्ज : ''प्रोडक्शन चाहिये!'' बहुत दबाव के कारण पानी-पेशाब की भी दिक्कत।

✶ **ओरियन्ट क्राफ्ट** (बी-16 ओखला फेज-2 दिल्ली) फैक्ट्री में कम्पनी द्वारा स्वयं रखे पुराने 60-70 मजदूरों की तनखा 9700 रुपये है। जबकि ठेकेदार कम्पनी के जरिये नये सिरे से रखे ढाई-तीन हजार वरकरों को नये ग्रेड अनुसार 13,500-14,698-16,182 रुपये...... लेकिन यह 8 घण्टे ड्युटी पर 26 दिन के पैसे नहीं हैं बल्कि यह पैसे 10 घण्टे ड्युटी के हिसाब से हैं — धोखाधड़ी है।

✶ **इण्डो ऑटोटेक** (261 सैक्टर-24, फरीदाबाद) फैक्ट्री में अधिक उत्पादन के लिये कम्पनी ने इन्सेन्टिव स्कीम शुरू की है और टारगेट से ज्यादा प्रोडक्शन के पैसे शनिवार से शनिवार देने की कही है। अनुभव रहे हैं कि एक बार ज्यादा उत्पादन देने लगने पर कम्पनियाँ आगे चल कर उसे ही टारगेट बना देती हैं। वरकरों ने यह बात उठाई तो मैनेजर ने आश्वासन दिया कि टारगेट नहीं बढायेंगे......

✶ **जे एन एस** (4 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में करीब 2700 वरकर हैं जिनमें अधिकतर महिला मजदूर हैं। टारगेट के लिये प्रोडक्शन स्टाफ पर भारी दबाव और वो गाली बकने, धक्का-मुक्की करने के संग-संग वरकरों का टी-ब्रेक तथा लन्च-ब्रेक भी बन्द करते रहते हैं। पिछले वर्ष एक लेडी फ्लोर इन्चार्ज ने एक महिला वरकर, शक्ति के थप्पड़ मारा। कम्पनी ने समझौता करवा कर एफ आई आर रफा-दफा करवाई। इधर मार्च के पहले सप्ताह में शक्ति ने उस फ्लोर इन्चार्ज के थप्पड़ मारा और फिर फैक्ट्री में दिखाई नहीं दी है।

✶ **सरगम एक्सपोर्ट** (152-153 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में पहले ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से था पर अब दो घण्टे का ही दुगुनी दर से और बाकी घण्टों का सिंगल रेट से है। काम का भारी दबाव। वर्ष 2016 का बोनस इधर 17 मार्च 2018 को दिया — सरगम कम्पनी वार्षिक की बजाय दो वर्ष के अन्तराल पर बोनस देती है।

✶ **एस के बेरी एण्ड ब्रादर्स** (बी-119 ओखला फेज-2 दिल्ली) फैक्ट्री में कार्यरत 150 मजदूरों में 135 टेम्परेरी वरकर थे। कब्जे के लिये दो डायरेक्टर भाइयों में झगड़े में मार्च 2017 में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 135 मजदूर कम्पनी रोल पर किये गये। इन 135 वरकरों की तनखा से सन् 2003 से ई एस आई तथा पी एफ की राशि काटी जा रही थी। फण्ड निकालने के लिये मजदूरों ने फार्म जमा किये तो पी एफ ऑफिस वाले बोले कि पी एफ नम्बर गलत दिये हैं........

✶ **बुकर हाईड्रोलिक्स** (6 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 150 वरकरों की तनखा 7000-7500 रुपये, ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर। घर जाओ तब तनखा बैंक खाते में नहीं भेजते। लौट कर दो-तीन काम करने और बार-बार कहने पर पैसे खाते में भेजते हैं।

✶ **वैम हाई फैशन** (488-89 उद्योग विहार फेज-3, गुड़गाँव) फैक्ट्री में अब सब 700 मजदूर कम्पनी रोल पर हैं। पहले दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 45 वरकर भी थे जिनकी तनखा से 3-4-7 वर्ष ई एस आई तथा पी एफ राशि काटी गई। फण्ड के पैसों के लिये फार्म भरे तब पी एफ कार्यालय वालों ने बताया की पी एफ राशि जमा नहीं है।

✶ **कैपीटल रेडियो** (बी-6/4 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में बोनस 31 मार्च को देते हैं। इस बार सब वरकरों को अकुशल श्रमिक का न्यूनतम वेतन, 13500 रुपये बोनस में दिये। कम्पनी मुनाफे में है पर मजदूरों को घाटे वाला बोनस दिया।

✶ 218 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव **नीति एपरेल्स** फैक्ट्री का कार्यस्थल होने के संग भर्ती का स्थान भी है। लेकिन मजदूरों के नियुक्ति पत्र में खाण्डसा की कम्पनी का नाम लिखा रहता है। फैक्ट्री में ड्युटी सुबह 9 से रात 10 बजे तक रोज है। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से।

✶ उद्योग विहार, गुड़गाँव स्थित **रांगी इन्टरनेशनल** फैक्ट्री बन्द हो गई और मजदूरों तथा स्टाफ की तनखायें व हिसाब फँस गये हैं। इधर रांगी इन्टरनेशनल की ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली फैक्ट्री में वरकरों की तीन महीनों की तनखायें बकाया हो गई हैं।

✶ **फैब्रिकेटर्स** : डुण्डाहेड़ा (हरियाणा) और बगल में कापसहेड़ा (दिल्ली) में लगभग 100-100 फैब्रिकेटर हैं जहाँ गारमेन्ट कम्पनियाँ एक्सपोर्ट के लिये अपना माल बनवाती हैं। फैब्रिकेटर्स के यहाँ वरकरों की आमतौर पर ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, और राज्य सरकारों द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं। ✶ चमड़े के जैकेट, बैल्ट, बटुये बनाती **इनकास इन्टरनेशनल** (142 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में काम करते 200 वरकरों में 60-70 की ही ई एस आई तथा पी एफ हैं।

कम्पलेन्ट भाषा जाने दो ... (पेज चार का शेष)

✶ **एलोरा क्रियेशन्स** (एफ-23/1 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में 600 मजदूर सुबह 9 से रात 9 की शिफ्ट में हैं और रात दो बजे तक रोक लेते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। सब की तनखा से ई एस आई तथा पी एफ राशि काटते हैं पर जमा ही नहीं करते, अथवा बहुत कम जमा करते हैं।

✶ **ऑरचिड ओवरसीज** (128 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में वरकरों की रोज सुबह 9 से रात 9 तक की ड्युटी और सप्ताह में तीन नाइट लगानी होती हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। कुशल कारीगर पीस रेट पर।

मँहगाई भत्ता (डी ए)

हरियाणा सरकार ने फैक्ट्री मजदूरों के लिये 1 जुलाई 2017 से देय मँहगाई भत्ते की घोषणा तो की ही नहीं, इधर 1 जनवरी 2018 से देय डी ए की घोषणा 6 अप्रैल तक सरकार ने नहीं की थी। ईमेल —

मुख्य मन्त्री, हरियाणा < cm@hry.nic.in>
श्रम आयुक्त, हरियाणा < labour@hry.nic.in>

दिल्ली सरकार ने 1 अप्रैल 2017 के बाद से मँहगाई भत्ते की घोषणा 6 अप्रैल 2018 तक नहीं की है। ईमेल —

मुख्य मन्त्री, दिल्ली < cmdelhi@nic.in>
श्रम विभाग दिल्ली < labjlc2.delhi@nic.in >

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2018 से देय मँहगाई भत्ते की घोषणा की जानी है। ईमेल —

मुख्य मन्त्री उत्तर प्रदेश <cmup@nic.in >
श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश <labourcom@nic.in>

ई एस आई और पी एफ की ईमेल

ई एस आई महानिदेशक < dir-gen@esic.nic.in >
केन्द्रीय भविष्यनिधि आयुक्त < cpfc@epfindia.gov.in >
चीफ विजिलैन्स पी एफ < cvo@epfindia.gov.in >

करना हमीं ने

✶**कृष्णा ग्रुपो एनटोलिन**(47 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में एक भी मजदूर परमानेन्ट नहीं है। ठेकेदार कम्पनियों के जरिये 150 वरकर रखे हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। ओवर टाइम के पैसों में से ई एस आई राशि काटते हैं लेकिन पी एफ के पैसे नहीं काटते।

पी एफ में 2015 से अगस्त 2017 तक घोटाला। किसी महीने वरकर के पी एफ का एक नम्बर , किसी महीने दूसरा नम्बर, किसी महीने तीसरा नम्बर। कम्पनी को इस सब से कोई मतलब नहीं। कम्पनी को सिर्फ प्रोडक्शन से मतलब। उत्पादन के लिये ही मजदूरों की मीटिंग मैनेजमेन्ट लेती है। ऐसी मीटिंगों में बार-बार मजदूरों द्वारा पी एफ की बात उठाने पर पिछले वर्ष दिवाली के समय मैनेजमेन्ट बोली थी कि दो महीने में पी एफ के पैसे ठीक करवा देंगे। ढर्रे अनुसार कुछ नहीं किया गया।

इस वर्ष जनवरी में मजदूरों ने लाइन बन्द की। फटाफट मैनेजमेन्ट ने कुछ वरकरों को चेक दिये और बाकी से फार्म भरने को कहा। कृष्णा ग्रुपो एनटोलिन फैक्ट्री में मारुति सुजुकी, होण्डा, अशोक लेलैण्ड वाहनों के पार्ट्स बनते हैं।

✶**जे जे एक्सपोर्ट** (सी-54/2 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखी 50 महिला मजदूरों को 8 घण्टे के सिर्फ 250-300 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, और जाँच वाले आते हैं तब इन्हें पीछे के गेट से फैक्ट्री के बाहर कर देते हैं।

फैक्ट्री में पीने का पानी गन्दा। मजदूर खरीद कर पानी पीते हैं।

फैक्ट्री में 150 वरकरों की शिफ्ट सुबह साढे नो बजे आरम्भ होती है। साँय साढे छह बजे कार्ड पंच हो जाता है और फिर रात साढे आठ तक बिना कार्ड पंच काम। रविवार को सुबह साढे नो से साँय 6 बजे तक बिना कार्ड पंच किये काम। कम्पनी ओवर टाइम दिखाती नहीं है, सिंगल रेट से देती है, नकद देती है।

साँय साढे छह बजे 15 मिनट के ब्रेक के बाद वरकर काम आरम्भ करते थे। इधर मार्च-अन्त में मैनेजमेन्ट बोली कि यह 15 मिनट का ब्रेक नहीं होगा। मजदूरों ने साढे छह के बाद रुकने से इनकार कर दिया। काम फँसा। मैनेजमेन्ट 15 मिनट का ब्रेक देने लगी।

✶**गैलेक्सी वॉग** (115 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में तनखा तथा ओवर टाइम के पैसों का कोई समय निश्चित नहीं। अक्सर काम बन्द करके वरकर पैसे ले पाते रहे हैं।

मार्च 2017 की तनखा 25 अप्रैल तक नहीं देने पर 26 अप्रैल को सैम्पलिंग टेलरों ने फैक्ट्री में प्रवेश ही नहीं किया। तब से बाहर हैं। उनके मामले में अब भी श्रम विभाग में तारीखें पड़ रही हैं।

इधर फरवरी 2018 की तनखा 19 मार्च तक नहीं दी। नये सैम्पलिंग टेलर 20 मार्च को बिना कार्ड पंच किये फैक्ट्री के अन्दर गये। साँय 4 बजे तक बैठे रहे तब कम्पनी ने पैसे दिये। एच आर वालों ने काफी रोकने की कोशिश की पर सब नये सैम्पलिंग टेलरों ने नौकरी छोड़ दी।

मार्च के 19 दिन के पैसे फँसे हैं।

सुरक्षाकर्मी

✶**ई आर ऑटोमैक्स** (184 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) में दिन की ड्युटी के दौरान 29 मार्च को एक गार्ड की तबीयत खराब हुई। साथी गार्डों ने कमरे पर जा कर आराम करने को कहा। फैक्ट्री से 11 बजे निकलते ही गार्ड की मृत्यु हो गई। मृत गार्ड की पत्नी सैक्टर-5 में एक फैक्ट्री काम करती हैं। ई आर ऑटोमैक्स कम्पनी ने मृत गार्ड के परिवार को कुछ भी देने से यह कह कर इनकार कर दिया कि मृत्यु फैक्ट्री के बाहर हुई। पुलिस आई थी, पुलिस की बात और है.......

✶**एवन सेक्युरिटी कम्पनी** (मुख्यालय जनकपुरी, दिल्ली) गुड़गाँव में कम्पनियों को करीब 1500 गार्ड सप्लाई करती है। आधे गार्डों की तनखा से ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर इन्हें प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी, महीने के तीसों दिन के 10,000-11,000 रुपये। जिन 750 गार्डों की ई एस आई तथा पी एफ नहीं हैं उन्हें प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 10,000 रुपये — नोटबन्दी के समय चेक देने लगे थे पर इधर 4 महीने से कैश देने लगे हैं।

✶**ग्रुप फोर सेक्युरिटी** कम्पनी गार्डों को ओवर टाइम की अलग स्लिप देती है। इसमें सिर्फ राशि लिखी होती है। ग्रुप फोर कम्पनी गार्डों के ओवर टाइम के घण्टे नहीं दिखाती। आमतौर पर गार्ड रोज 12 घण्टे ड्युटी करते हैं और इधर कम्पनी साप्ताहिक अवकाश देने लगी है। घण्टे नहीं दिखाने के पीछे ग्रुप फोर कम्पनी की हेराफेरी छिपी है : ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर करने की बजाय सिंगल रेट से करना।

कम्पनियों द्वारा अपने गार्ड रखना बन्द-सा हो गया है। सेक्युरिटी एजेन्सियाँ/कम्पनियाँ बनी हैं जो गार्ड सप्लाई करती हैं। सामान्यतः गार्ड 12-12 घण्टे की शिफ्टों में ड्युटी करते हैं। साप्ताहिक अवकाश नहीं होता। त्यौहारी छुट्टी नहीं होती। महीने के तीसों दिन, साल के 365 दिन गार्ड की ड्युटी रहती है। गार्ड को जो महीने के कह कर पैसे दिये जाते हैं वो वास्तव ढाई महीने की तनखा होती। आठ घण्टे 26 दिन पर एक महीने की तनखा। चार घण्टे ओवर टाइम 26 दिन पर एक महीने की तनखा। तीसों दिन ड्युटी पर साप्ताहिक अवकाश के 4-5 दिन 12 घण्टे ड्युटी पर 15 दिन की तनखा। इसलिये महीने के 15000 दिये तो तनखा बनी 6000 रुपये।

साझेदारी

✶आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नोएडा, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— शनिवार, 28 अप्रैल को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास शुक्रवार, 27 अप्रैल को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— सोमवार, 30 अप्रैल को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में अप्रैल में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन तथा व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

मजदूर समाचार में योगदान

- ✶ अपने कदम और अपने साथियों के कदमों की जानकारियाँ सामुहिक करें।
- ✶ चर्चाओं में योगदान के लिये बाँटने वालों से प्रतियाँ ले जायें।
- ✶ फुर्सत मिले तो किसी भी रविवार को मजदूर लाइब्रेरी में आ कर विस्तार से जीवन चर्चा करें।
- ✶ आर्थिक सहयोग का मन हो तो जरूर दें। ज्यादा से ज्यादा छपने की क्षमता वाद-विवाद को फैलायेगी। इस योगदान में कोई भी राशि कम नहीं है।
- ✶ व्हाट्सएप पर खुल कर मैसेज भेजिये, हम जम कर पढ रहे हैं और बातों को फैला रहे हैं।
- ✶ आज मजदूर समाचार के पाठक अखबार में कविता, फलसफा, दर्शन, साहित्य और ज्ञान-चर्चा के विभिन्न रूप का आनन्द ले रहे हैं। आनन्द को उल्लास में बदलिये।

कम्पलेन्ट की भाषा को जाने दो

हमें हर महीने कई पाठक अपने-अपने कार्यस्थल पर कानूनों के खुले उल्लंघन की शिकायतें करते हैं। मैनेजमेन्टों के बुरे व्यवहार की बातें भी होती हैं। यह बढेंगी। कम्पनियाँ अधिकाधिक कमजोर पड़ रही हैं। अब तो यह साफ हो चुका है कि कार्यस्थलों की शिकायतों का कोई सरकारी समाधान नहीं है। श्रम विभाग, लेबर कोर्ट नब्बे प्रतिशत वरकरों के लिये खत्म हो चुके हैं। ऐसे माहौल में कम्पलेन्ट की पुरानी भाषा जिसमें एक सुनवाई की आशा होती थी उसको ले कर चलना आत्मघाती है। हरेक के पास हजार उदाहरण होंगे इसके। मजदूर समाचार में शिकायतों की जगह रखते हैं लेकिन यह अरजेन्ट बन गया है कि जितनी जल्दी हो सके कम्पलेन्ट की भाषा को त्याग दिया जाये। स्वयं द्वारा तथा छोटे-बड़े समूहों द्वारा दबाव डालने के अनुभवों को शेयर करें और उन पर चर्चा करें। इसके सिवा कोई रास्ता दिख नहीं रहा तत्काल राहत के लिये भी। जो दवा एक्सपायर हो चुकी है उससे मोह मत करो।

★**ओरियन कॉनमर्क्स** (90 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में काम करते करीब एक हजार वरकर महीने के तीसों दिन, वर्ष के 365 दिन चमड़े के जैकेट बनाते हैं। सब मजदूर कम्पनी ने स्वयं रखे हैं। सुबह साढे नो से साँय साढे छह, रात साढे आठ, साढे ग्यारह तथा महीने में 15 बार तो रात 3 बजे तक रोकते हैं। महीने में 125-140 घण्टे ओवर टाइम के, भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से। तनखा 15 दिन पर। महीने में 6 बार पैसे देते हैं: दो बार वेतन के, दो बार ओवर टाइम के, दो बार फुडिंग के। सब मजदूरों की ई एस आई तथा पी एफ हैं, महीने में इनकी राशि तनखा से दो बार काटते हैं, और कम्पनी ने जो राशि देनी होती है वह भी वरकरों की तनखा से काटते हैं। दिखाने के लिये कैन्टीन है — भोजन नहीं, चाय भी नहीं। एक टी-ब्रेक 15 मिनट का साँय 4 बजे और अगर चाय पीने फैक्ट्री के बाहर चले गये तो ओवर टाइम में से 15 मिनट काट लेते हैं। हर 6 महीने में एक-एक करके बुला कर रिजाइन ले लेते हैं। धमकाने के लिये फैक्ट्री में 7-8 लोग घूमते रहते हैं।

★**मार्क एग्जास्ट** (74 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में सब वरकर पुराने हैं, 3-4-5-6 वर्ष से काम कर रहे हैं। सब वरकर टेम्परेरी हैं, दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे गये हैं। कम्पनी की नरसिंहपुर वाली फैक्ट्री से टूल रूम, मेन्टेनैन्स, क्वालिटी वाले कुछ परमानेन्ट मजदूर आते हैं और देख कर चले जाते हैं। कहने को एक शिफ्ट है, सुबह 7 से दोपहर साढे तीन की, लेकिन लगातार 24 घण्टे, लगातार 36 घण्टे जबरन रोक लेते हैं। टारगेट हाई है और मशीन ब्रेक डाउन हो चाहे 24-36 घण्टे ड्युटी, टारगेट दो! लाइन सुपरवाइजर गाली बकते हैं। महीने में किये 100-150-200 घण्टे ओवर टाइम को 50-75-100 घण्टे बना कर ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से पर हस्ताक्षर करवाते हैं। भोजन के 200 रुपये महीना काटते हैं और कैन्टीन में खाना ठीक नहीं। वरकर जब कहते हैं कि 300 रुपये काटो पर भोजन ठीक दो तब स्टाफ वाले बोलते हैं कि खाना है तो खाओ नहीं तो बाहर जाओ। पीने का पानी दो स्थानों पर है परन्तु भोजन के बाद दोनों जगह ही पानी नहीं। पाँच-दस मजदूर इक्ट्ठे होकर जाते हैं तब स्टाफ वाला बोतल का पानी दे देते हैं। और फिर किसी एक को बुला कर क्लास लेते हैं: दस को ले कर आ गया! फैक्ट्री में मुख्यतः होण्डा तथा सुजुकी दुपहियों के पुर्जे बनते हैं। यहाँ कम्पनी वार्षिक बोनस मजदूरों को देती ही नहीं।

★**यू पी एल** (डी-13/3 ओखला फेज-2, दिल्ली) सर्जीकल आइटम बनाती फैक्ट्री में 350 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। कम्पनी स्वयं 10 हैल्पर रखती है और 6 महीने में निकाल कर उन्हें फिर रख लेती है। इन हैल्परों की तनखा 6400 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। कम्पनी द्वारा चार ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 125 मजदूरों की भी ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।

★**सोनिया टैक्सटाइल्स** (32 सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में करीब 500 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। कम्पनी ओवर टाइम दिखाती नहीं और इन पैसों को जोड़ कर तनखा ज्यादा दिखाती है। चैकिंग के समय मैनेजमेन्ट ओवर टाइम की फाइल छिपा देती है और वरकरों से कहती है कि कोई पूछे तो कहना ओवर टाइम नहीं होता।

★105-106 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित **मोडलामा एक्सपोर्ट** कम्पनी की बड़ी फैक्ट्री में टेलरों की एक शिफ्ट है। दो शिफ्ट वाली कटिंग तथा फिनिशिंग में रात 8 से अगली सुबह पौने सात बजे की दूसरी शिफ्ट में 150 वरकर हैं। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से है लेकिन ..... लेकिन महीने में 1500 रुपये काट कर देते हैं। कैन्टीन में 25 रुपये में थाली, भोजन ठीक नहीं। अभी इतना ही...... 200 उद्योग विहार फेज-1 वाली मोडलामा फैक्ट्री में 400 मजदूर हैं। फिनिशिंग विभाग में दो शिफ्ट हैं। सुबह 8 बजे से रात पौने आठ, पौने नो, पौने दस तक और नाइट लगती है तब रात 1 बजे तक रोकते हैं। दूसरी शिफ्ट रात 8 बजे से अगली सुबह सात बजे तक। फिनिशिंग में कम्पनी ने 100 वरकर स्वयं रखे हैं और 40 वरकर ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे हैं। कम्पनी द्वारा स्वयं भर्ती को प्रतिदिन ओवर टाइम के दो घण्टे के पैसे दुगुनी दर से और बाकी घण्टों के सिंगल रेट से। ठेकेदार कम्पनी द्वारा रखे वरकरों में 10 महिला भी जिनकी तनखा निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम, 6000 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से, और रात पौने दस बजे तक भी फैक्ट्री में रोक लेते हैं। नाइट लगती है तभी कम्पनी की 105-106 फैक्ट्री वाली कैन्टीन से भोजन मँगाते हैं, घटिया खाना। फैक्ट्री में पीने का पानी भी खराब। आराम? आराम कहाँ — रविवार को भी ड्युटी।

★**विनय ऑटो** (42 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में मजदूरों में कोई भी परमानेन्ट नहीं है। छह ठेकेदार कम्पनियों के जरिये करीब 700 वरकर रखे जाते हैं। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की। ओवर टाइम के 100 घण्टे हैं तो 50 दिखा कर भुगतान दुगुनी दर से दिखाते हैं। होण्डा दुपहियों और मारुति सुजुकी वाहनों के वायर बनाते इन मजदूरों को वार्षिक बोनस नहीं देते।

★**पर्ल प्रिन्टर** (सी-105 ओखला फेज-2, दिल्ली) प्रेस में 60-65 मजदूरों में पी एफ किसी का नहीं है और ई एस आई 10-15 की ही है। नये हैल्पर की तनखा 8000 और पुराने की 10,000 रुपये। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की हैं, ओवर टाइम का भुगतान सवा की दर से।

★**धारीवाल रोलिंग मिल** (101 से 106 एस एम आई ई, मुजेसर, फरीदाबाद) फैक्ट्री में हैवी काम है। चार बड़ी पावर प्रैस है, कुछ इन्च मोटे लोहे को काट देती हैं। फैक्ट्री में 60 मजदूर थे, अब 22-23 बचे हैं, वर्षों से यहाँ काम कर रहे हैं। ई एस आई तथा पी एफ मात्र एक वरकर की हैं। चोट लगने पर कहते हैं कि ठीक हो कर आ जाओ — बैठे दिनों के पैसे नहीं। सुबह 9 से सात साढे आठ तक काम, ओवर टाइम के पैसे नहीं — नकद पचास-सौ दे देते हैं। यहाँ से माल खुशखेड़ा (अलवर) जाता है।

★**शिवा इन्टरनेशनल** (177 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में सुबह 9 बजे से ड्युटी आरम्भ होती है पर छूटने का कोई समय नहीं। रविवार को भी काम। महीने में 150 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से भी कम, 35 रुपये प्रति घण्टा। ई एस आई तथा पी एफ की राशि 150 वरकरों में से 75 की तनखा में से काटते हैं और इनकी तनखा बैंक खाते में भेजते हैं। लेकिन ई एस आई कार्ड नहीं देते, पी एफ नम्बर नहीं बताते और नौकरी छोड़ने पर मजदूर को फण्ड के पैसे नहीं मिलते। जिन 75 की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, उन्हें तनखा नकद।

★**सुरभि ग्लास** (122 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री के वरकरों की बातों से यही समझ में आया कि मजदूरों और स्टाफ के लोगों के साथ टॉप मैनेजमेन्ट बहुत गुण्डागर्दी करती है।

(बाकी पेज दो पर)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। **RN 42233**
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।